LOK SABHA

Thursday, August 3 1978/Sravana 12, 1900 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock.

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Preventing cataract in Diabetic patients

*263. SHRI DHARMAVIR VASISHT: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government had noted a report published in the 'Science Digest', New York and Hindustan Times, dated 5th July, 1978, that an Indian Scientist Shri Shambhu Varma had found a process to prevent cataracts in diabetic patients; and

(b) if so, the details of the same?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) जी हाँ।

(ख) इस वैज्ञानिक ने यह दावा किया है कि वह ग्लूकोस यूटिलाइजेशन साइकिल में परिवर्तन कर मोतियाबिन्दु को बनने से रोक सकता है। इससे पूर्व कि इसका चिकित्सा में उपयोग किया जाय इस वैज्ञानिक अनुसंधान में अभी काफी काम किये जाने और उसका मूल्यांकन करने की जरूरत होगी।

श्री धर्मवीर वशिष्ठ : अध्यक्ष महोदय, अमेरिका में रिजसर्च करते हुए एक भारतीय डाक्टर ने एक ऐसी चिकित्सा आंखों के लिए

निकाली है जिससे जो डाइबिटिक रोग के रोगी हैं, उनको फायदा हो सके। आम डाक्टरों का यह मत है कि डाइबिटिक रोग बड़ी उम्र के लोगों में आहिस्ता आहिस्ता बढ़ता है और यूथ्स में बड़ी तेजी से यह चलता है और भारतवर्ष में उसकी निशानी कैटरेक्ट या जाला, फूला है, जोकि यह भारत में लाखों लोगों को है और हमारे देश में 80 लाख से ज्यादा लोग अंधे हैं। इस बात को पेशेनजर रखते हुए भारत के डाक्टर ने अमेरिका में जो यह काम किया है कि बड़ की छाल से अलग किया हुआ एक कम्पाउण्ड यह कर सकता है कि आंखों में जो ग्लकोस का एक्सेसिव फ्लो होता है और जिससे आंख की लेंस खराब हो जाती है, उसको बड़ की छाल का कोई कम्पाउंड रोक सकता है। जब ऐसा आसान इलाज है और उस पर काफी काम हो चुका है, तो क्या आप यह बताने की कृपा करेंगे कि भारतवर्ष में जहां जहां आंखों के इलाज की रिसर्च हो रही है, वह इस बात को देखने की और अपनाने की कोई योजना आपकी है या नहीं ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, अभी जो यह आंखों के इलाज के बारे में निकला है, यह एक्सपेरीमेन्टल स्टेज में है और अभी तक इसका प्रयोग चूहों पर हुआ है। जब प्रयोग पर्याप्त सफल हो जाएगा, तब जरूर इसका उपयोग करेंगे और हम ऐसे डाक्टर की, जो भारतीय डाक्टर इस पर अनुसंधान कर रहे हैं, सचमुच में प्रशंसा करना चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि यह प्रयोग सफल हो जिससे अपने देश में और दुनिया की मानवता को, जो केटरेक्ट से और खास तौर पर शूगर

डाइबिटीज के कारण जो केटरेक्ट होता है उससे पीड़ित हो, इससे लाभ हो ।

श्री धर्मवीर वशिष्ठ : इस बात को पेशे-नजर रखते हुएकि नौजवानों में जो यह जाले का, केटरेक्ट का रोग है, वह बहुत ज्यादा है और यह मानते हुए कि जो यह रिसर्च हुई है और जिसके लिए उस हिन्दुस्तानी डाक्टर की य० एस० ए० की गवर्नमेंट ने 2 लाख रुपया दिया है ताकि व अपना काम कर सकें क्या इस किस्म की रिजसर्च के लिए हमारे यहां भी सरकार कुछ सहायता दे सकती या आफर कर सकती है ताकि यह आंखों का रोग जो बचपन में बच्चों को बहुत अधिक होता है, वह मिट सके ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, भारत में भी मोतिया बिन्दु पर अनेक अनुसंधान हो रहे हैं । यदि कोई और डाक्टर इस पर काम करना चाहे तो भारत सरकार को उसमें मदद करने में खुशी होगी ।

SHRI VINODBHAI B. SHETH: There are many social institutions, like, Lions, Rotaries, Giants, JCs and others. They are arranging camps to remove cataract. For example, in Gujarat, we have detected 1 lakh patients. The Government of India should take up after-care measures and help such institutions. Not only diagnosis facilities but after-care treatment also must be provided by the Government of India so that the patients get proper treatment.

MR. SPEAKER: It does not arise.

श्री राम नरेश कशवाह : क्या माननीय मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जैसा हम सभी जानते हैं कि बरगद के पेड़ का दूध परम्परागत से अनेक रोगों में प्रयोग में लाया जाता है, क्या इसके सम्बन्ध में भी कोई अनुसंधान चल रहा है कि किन किन रोगों में यह उपयोगी है ? यदि नहीं तो क्या इसके सम्बन्ध में कोई अनुसंधान करेंगे ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन् भारतवर्ष में डायबिटीज पर अनुसंधान नहीं है । लेकिन मोतियाबिन्द पर जो अनुसंधान हो रहे हैं व अनेक जगहों पर हो रहे हैं । अगर कोई डाक्टर अनुसंधान करना चाहे तो उनको हम सहयोग देने के लिए तैयार हैं ।

श्री रघुवीर सिंह : मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अमेरिका में केटरेक्ट पर जो अनुसंधान हो रहा है, उसमें मदद देने के लिए क्या कुछ और आदमियों को यहां से नहीं भेजा जा सकता है ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : अभी ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है इसलिए अभी इस पर कुछ नहीं कहा जा सकता है ।

आदिवासी क्षेत्रों में टेलीफोन लाइनें

*264. **श्री श्याम लाल धुर्वे** : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आदिवासी क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर टेलीफोन लाइनें बिछाने के बारे में सरकार ने कोई निर्णय लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो मण्डला जिले (मध्य प्रदेश) के विभिन्न इलाकों को टेलीफोन द्वारा परस्पर जोड़ने की योजना को क्रियान्वित करने में विलम्ब होने के क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) डाक-तार विभाग ने पहाड़ी और पिछड़े इलाकों में घाटा उठाकर भी दूरसंचार सेवाओं जैसे सार्वजनिक टेलीफोन घरों और तारघरों की व्यवस्था करने का निर्णय लिया है । आदिवासी जनसंख्या मुख्य रूप से पहाड़ी और पिछड़े इलाकों में फैली हुई है । इन इलाकों में 2500 या इससे और अधिक जनसंख्या वाले स्थानों में प्राथमिकता के आधार पर सार्वजनिक टेलीफोन घर खोलने का प्रस्ताव है ।